|| भगवान श्री वृषभनाथाय नमः ||

विसट्ट कंदोट्ट दलाणुयारं ।
सुलोयणं चंदसमाणतुण्डम् ॥
घोणाजियं चंपयपुप्फसोहं ।
तं गोम्मटेसं पणमामि णिच्चं ॥

|| भगवान श्री गोम्मटेशाय नमः ||

श्री पौदनेशं पुरुदेवसूनुं ।
तुंगात्मकं तुंगगुणाभिरामम् ॥
देवेन्द्र नागेन्द्र-नरेन्द्र वन्द्यं ।
श्री दोर्बलीशं प्रणमामि नित्यम् ॥

विशालाक्षं महोरस्कं स्मितास्यं सुन्दराकृतिम् । विपुलास्यं महोरस्कं भजे श्री गोमटेश्वरम् ॥

आह्वान पत्रिका

सम्यक्त्व सम्पन्न भव्य बन्धुओ,

स्वस्ति श्रीमद् - रायराजगुरु भूमण्डलाचार्यवर्य महा - वाद-वादीश्वरराय वादिपितामह सकल विद्वज्जन सार्वभौमाद्यनेक अन्वर्थ - बिरुदावली विराजमान- श्रीमद्दिल्ली-पटिकस्थान दिल्ली, कनकाद्रि, श्वेतपुर, सुधापुर, संगीतपुर, क्षेम-वेणुपुर सिद्ध - सिंहासनाधीश्वर स्वस्तिश्री भट्टारक चारुकीर्ति पण्डिताचार्यवर्य महास्वामीजी श्री जैनमठ, मूडबिद्री,

- आप के पावन सान्निध्य एवं नेतृत्व में, अजिल वंशस्थों से प्रतिष्ठापित

वेणूर के भगवान श्री बाहुबली स्वामी का महामस्तकाभिषेक महोत्सव

राजर्षि डा. डी. वीरेंद्र हेग्गडेजी के नेतृत्व में

स्वस्ति श्री महावीर शक वर्ष 2538 वें खर नाम संवत्सर के माघ सुदी पंचमी शनिवार ता. 28-01-2012 से लेकर माघ सुदी त्रयोदशी रविवार ता. 05-02-2012 तक भगवान श्री 1008 पार्श्वनाथ स्वामी के पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव - पूर्वक निम्न लिखित विधि-विधानों के साथ जैन-आगमोक्त क्रम से संपन्न होने जा रहा है।

धार्मिक पूजा विधि-विधान - कार्यक्रम

ता. 28-01-2012 माघ शुद्ध पंचमी शनिवार प्रातःकाल 4-15 बजे धनुर्-लग्न में अलदंगडी राजमहल के तिम्मण्णरस डा. पद्मप्रसाद अजिल और कुटुम्बस्थों द्वारा-इंद्र प्रतिष्ठा, प्रातः 5-20 बजे तोरण मुहूर्त, विमानशुद्धि, नान्दीमंगल विधान; अपराह्ण 2 बजे से वास्तुपूजा विधान, नवग्रह - महाशान्ति, शाम को अग्रोदक जलानयन उत्सव और रात को 7-00 बजे से भगवान श्री बाहुबली स्वामी का 108 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

ता. 29-1-2012 माघ शुद्ध षष्ठी रविवार प्रातः 8-00 बजे से स्व. गुम्मप्प इंद्र के स्मरणार्थ धर्मपत्नी श्रीमती नागवेणी अम्मा तथा उनके सुपुत्र श्री धरणेंद्रकुमार इंद्र, श्रीमती व श्री प्रवीणकुमार और बच्चों एवं बहनों के द्वारा, मृत्तिका- संग्रहण, अंकुरार्पण, यज्ञशाला प्रवेश, श्री पद्मप्रतिष्ठा; 11-05 बजे मीन लग्न में ध्वजारोहण; अपराह्ण 2-00 बजे से ब्रह्मस्तंभ की ब्रह्मयक्ष-प्रतिष्ठा, अग्रोदक जलानयन उत्सव और भगवान श्री बाहुबली स्वामी का 108 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

www.jainheritagecentres.com

ता. 30-01-2012 माघ शुद्ध सप्तमी सोमवार प्रातः 8-00 बजे पीर्दबेट्टु - गुत्तु, स्व. दुग्गण्ण राय और स्व. जयावती के स्मरणार्थ मारगुत्तु कुर्पाडि स्व. जिनराज अधिकारी की धर्मपत्नी श्रीमती सुनन्दम्मा और बच्चों, पेरिंजे बाल्गुत्तु, स्व. पटेल कांतु पूवणी के स्मरणार्थ पत्नी श्रीमती सुशीलम्मा तथा पेरिंजे पड्योडि-गुत्तु श्री जीवंधर कुमार और धर्मपत्नी श्रीमती सुलोचना और बच्चे, बहुएँ और पोतों, नारावी रामेरगुत्तु स्व. एन. मंजप्प अतिकारी एवं धर्मपत्नी स्व. मित्रावती के स्मरणार्थ उनके बच्चों, दामादों और पोतों द्वारा श्री पीठयंत्राराधना, श्रीबलिविधान; अपराह्ण 2-00 से श्री भक्तामरयंत्राराधना; शाम को अग्रोदक जलानयन-उत्सव; शाम के 7-00 बजे से भगवान श्री बाहुबली स्वामी का 108 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

ता. 31-01-2012 माघ शुद्ध अष्टमी बुधवार प्रातः 8-00 बजे केलदपेटे स्व. पद्मराज कंबलि, मूडबेट्टु स्व. एम. धरणेंद्र पडिवाल तथा स्व. वी. रविराज अज्री - इनके स्मरणार्थ केलदपेटे श्रीमती एम. विजयम्म पडिवाल और बेलतंगडी 'शांतीश' श्रीमती पि. लीलावती रविराज अज्री एवं कुटुंबस्थों द्वारा नित्यविधि सहित पंचकुम्भविन्यास - युक्त ग्रहयज्ञ-विधान; अपराह्ण दो बजे से बृहच्छान्ति यंत्राराधना, जलाग्नि होम, अग्रोदक जलानयन उत्सव, भगवान श्री बाहुबली स्वामी का 108 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

ता. 01-02-2012 माघ शुद्ध नवमी बुधवार प्रातः 8-00 बजे से नावूरु गुत्तु कुडाल मेर्कल स्व. गुम्मण्ण शेट्टी तथा उनकी धर्मपत्नी कनकबेट्टु स्व. देजम्मा के स्मरणार्थ उनके सुपुत्र श्री एम. के. नाभिराज और पोतों द्वारा नित्यविधि सहित बृहत् यागमण्डलाराधना मण्डपप्रतिष्ठा, वेदीप्रतिष्ठा ; शाम को 6-30 बजे जलयात्रा महोत्सव, मातुराह्वानादि क्रियायुक्त गर्भावतरण कल्याण; भगवान श्री बाहुबली स्वामी का 216 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

ता. 02-02-2012 माघ शुद्ध दशमी गुरुवार के प्रातः 8-15 बजे सिद्धकट्टे श्री एस. अर्ककीर्ति इंद्र और विनयकुमारी, डा. सुदीप कुमार एवं डा. सीमा, राजेंद्रकुमार और सुवाराणी, वजिरे, पद्मप्रसाद जैन और सुखाराणी, मैसूर एवं कुटुंबस्थों द्वारा भगवान का जननोत्सव, अष्टदिशु धामसम्प्रोक्षण, चतुर्दिशु होम; प्रातः 10-00 बजे से पाण्डुका - शिलोपरि जन्माभिषेक कल्याण, नामकरणोत्सव, बाललीलोत्सव, अग्रोदक जलानयन उत्सव, भगवान श्री बाहुबली स्वामी का 216 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

ता. 03-02-2012 माघ शुद्ध एकादशी शुक्रवार प्रातः 8-00 बजे पेरिंजे एर्मोडी स्व. जिनराज कंबली एवं स्व. श्रीमती अमृतावती अम्मा के स्मरणार्थ बच्चों तथा वेणूरु पंजाल-बैलु स्व. डॉ. अंतप्प आल्व के स्मरणार्थ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गुणवती आल्वा और बच्चों द्वारा नित्यविधिसहित यागमण्डलाराधना; प्रातः 10-30 बजे से जिनबालक का पट्टाभिषेक, वैराग्यपूर्वक दीक्षाग्रहण कल्याण, केशलोचन; रात 7-00 बजे अग्रोदक जलानयन उत्सव; भगवान श्री बाहुबली स्वामी का 216 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

ता. 04-02-2012 माघ शुद्ध द्वादशी शनिवार प्रातः 7-00 बजे श्री क्षेत्र धर्मस्थल राजर्षि डा. डी. वीरेन्द्र हेग्गडेजी तथा श्रीमती हेमावती वी. हेग्गडे और कुटुम्बस्थों द्वारा नित्यविधि सहित आहारदान विधि, गन्धयंत्राराधना, मंत्रन्यास, तिलकन्यास, कलारोपण - पूर्वक प्रातः 10-05 बजे शुभलग्न में भगवान का केवलज्ञानकल्याण; बिम्ब प्रतिष्ठामहोत्सव; समवसरणपूजा; शाम को 5-00 बजे अग्रोदक जलानयन महोत्सव, भगवान श्री बाहुबली स्वामी का 504 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

ता. 05-02-2012 माघ शुद्ध त्रयोदशी रविवार प्रातः 9-00 बजे भगवान श्री बाहुबली स्वामी महामस्तकाभिषेक समिति, वेणूर द्वारा-नित्यविधि सहित श्रीसिद्धचक्रयंत्राराधना; अग्नित्रयार्चना - पूर्वक निर्वाणकल्याण महोत्सव, शाम के 5-00 बजे अग्रोदक जलानयन उत्सव, भगवान श्री बाहुबली स्वामी का 1008 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव, महापूजा, संघपूजा, महामंगलारती। उसके उपरान्त कुंकुमोत्सव, ध्वजावरोहण, अवभृतस्नान, तोरण विसर्जन, कंकण विमोचन।

इन दिनों में प्रातः काल धार्मिक विधि-विधान; दोपहर संघ-संतर्पण; अपराह्ण 3-00 बजे से धार्मिक सभा, धर्म-प्रवचन, रात में सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि पुण्यकार्य सम्पन्न होनेवाले हैं। धर्मात्मा सज्जन लोगों से सविनय प्रार्थना है कि आप लोग इस मंगलमय पूजा - कार्यक्रम में पधारें एवं पुण्य भागी बनें।

तिम्मण्णरस डा. पद्मप्रसाद अजिल
स्थापक वंशीय राजा तथा स्वागताध्यक्ष

डा. डी. वीरेन्द्र हेग्गडे
अध्यक्ष

वी. धनंजयकुमार
कार्याध्यक्ष

एर्मोडी गुणपाल जैन
प्रधान कार्यदर्शी

वि. रत्नवर्म इंद्र
कोशाधिकारी

महामस्तकाभिषेक समिति के उपाध्यक्ष, सदस्य और समस्त श्रावक बंधु।